



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 3, 2007/आश्विन 11, 1929

No. 198]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 2007/ASVINA 11, 1929

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 2007

फा. सं. 101—60/2006 एमएन.—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 6 जून, 2007 को यथाप्रकाशित दूरसंचार अवांछनीय व्यावसायिक संप्रेषण विनियम, 2007 (2007 का 4), अंक संख्या 123 में,—

1. पृष्ठ 10, पंक्ति 14,—

“(विनियम 15 देखें)” के स्थान पर “(विनियम 14 देखें)” पढ़ा जाए।

आर. के. आर्नल्ड, सचिव

[विज्ञापन III/IV/142/2007-असा.]

TELECOM REGULATORY AUTHORITY  
OF INDIA

ERRATA

New Delhi, the 19th September, 2007

F. No. 101—60/2006 MN.—In the Telecom Unsolicited Commercial Communications Regulation, 2007 (4 of 2007) as published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 6th June, 2007, Issue No. 123,—

1. At page 27, in line 19,—

for “(See regulation 15)”, read “(See regulation 14)”.

2. After line 44, insert,—

“R. K. ARNOLD,  
Secretary.

[ADVT-III/IV/142/2007-Exty.]”

3. At page 31,—

(i) in line 1, for “a.”, read “b.”;

(ii) in line 13, for “b.”, read “c.”;

(iii) in line 16, for “c.”, read “d.”.

R. K. ARNOLD, Secy.

[ADVT III/IV/142/2007-Exty.]